सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 316 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 24 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हमेशा ध्यान में रखिये की आपका सफल होने का संकल्प किसी भी और संकल्प से महत्वपूर्ण है।
-अब्राहम लिंकन

भारतीय महिला अंडर-19 टीम का... 7 | बिहार व दिल्ली में अंबेडकर अपमान... 3 | बाबा साहब अपमान मामले में... 2

बसपा का जोरदार प्रदर्शन

पूरे यूपी में सुनाई दिये अमित शाह मुर्दाबाद के नारे

बाबा साहब के सम्मान में, बीएसपी मैदान में

फोटो: सुमित कुमार

» डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी के खिलाफ देशभर में विरोध-प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती के अह्वान पर आज बसपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रर्दशन किया। पूरे उत्तर प्रदेश में अमितशाह मुर्दाबाद के नारे लगे। आज का प्रर्दशन गृहमंत्री के उस बयान के विरोध में था जो उन्होंने सदन में बाबा साहब पर बोलते हुए दिया था। हालांकि मायावती इस पूरे प्रकरण पर देर से बोली लेकिन जब वह बोली तो सभी ने सुना। हालांकि आज मौसम सर्द था और हल्की बूंदा-बांदी ने इसे और ज्यादा सर्द बना दिया था। मौसम की परवाह न करते हुए बसपा कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्तर प्रदेश मे अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई।

बसपा सुप्रीमो मायावती के आदेश पर सड़कों पर उतरे बसपा नेता

फर्रूखाबाद में बसपा कार्यकर्ताओं को प्रशासन ने कलेक्ट्रेट जाने से रोका तो वह नाराज होकर सड़क पर ही धरने पर बैठ गये। बसपा सुप्रीमो मायावती के आदेश पर सड़कों पर उतरे बसपा नेता किसी भी कीमत पर आगे बढ़ने के लिए उतारू थे। वह गृहमंत्री अमित शाह से माफी मांगने और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे थे। बाद में बसपा कार्यकर्ता अम्बेडकर प्रतिमा पर पहुचे और वहां जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी की। बसपा नेताओ को कलेक्ट्रेट परिसर में ज्ञापन देने से एसडीएम सदर रजनीकांत पांडे के नेतृत्व पुलिस प्रशासन ने रोक दिया था।

डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी के खिलाफ देशभर में विरोध-प्रदर्शन देखने को मिला। इसी कड़ी में बहुजन समाज पार्टी ने गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान के विरोध में आज पूरे उत्तर प्रदेश में प्रदर्शन किया। मायावती ने देश भर में जिला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने की सर्वसमाज से अपील की है। इस प्रदर्शन के दौरान पार्टी ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अमित शाह के बयान की आलोचना की गयी। विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके। इसके अलावा, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर भी नजर रखने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं।

मौसम की परवाह न करते हुए बसपा कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्तर प्रदेश मे दर्ज कराई अपनी जोरदार उपस्थिति

बाबा साहब अपमान मामले में जारी रहेगा सपा का संघर्ष

» आज नहीं तो कल गृहमंत्री अमित शाह को देना होगा इस्तीफा : अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाबा साहब अम्बेडकर अपमान प्रकरण की आग शांत होने का नाम नही ले रही। आज बसपा के प्रर्दशन के साथ ही समाजवादी पार्टी ने आरपार की लड़ाई का एलान कर दिया है। आंदोलन की जिलेवार सूची तैयार कर जिम्मेदारों को आदोंलन आगे बढ़ाने के लिए नामित कर दिया गया है। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एलान किया है कि जबतक गृहमंत्री अमित शाह इस्तीफा नहीं देते हैं तबतक सपा के कार्यकर्ता चैन से नही बैठेगे और रोज धरना प्रर्दशन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आज दिल्ली बार्डर पर तमाम किसान नेता किसानों की मांगों को लेकर भूख हड़ताल और धरने पर बैठे हैं। उन किसानों की जान और स्वास्थ्य चिंता का विषय है। यह सरकार किसानों के हित में फैसला नहीं लेती है। किसानों की समस्याओं से ध्यान हटाने और मुद्दों के लिए साजिश के तहत नये-नये मुद्दे उछालती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी देश की अकेली पार्टी है जिसके नाम में ही समाजवाद है। जो समाजवाद हमारे संविधान की प्रस्तावना में है, वहीं हमारी पार्टी के नाम में है। और किसी दल के नाम में ऐसा नहीं है। नेताजी ने इसी मिट्टी से उठकर और इसी मिट्टी में खून, पसीना बहाकर समाजवादी विचारधारा और पार्टी को आगे बढ़ाया।

अखिलेश यादव ने प्रदेश की जनता को धन्यवाद करते हुए कहा कि जनता ने लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और गठबंधन को सबसे ज्यादा सीटे जिताकर उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी पार्टी बनाने का काम किया। हम लोग जिन परिस्थियों में काम कर रहे हैं, उसमें बड़ी चुनौती है। हम लोग ऐसे लोगों से लड़ रहे हैं, जिनके पास सब कुछ है। इतना है कि कोई कल्पना नहीं कर सकता है।

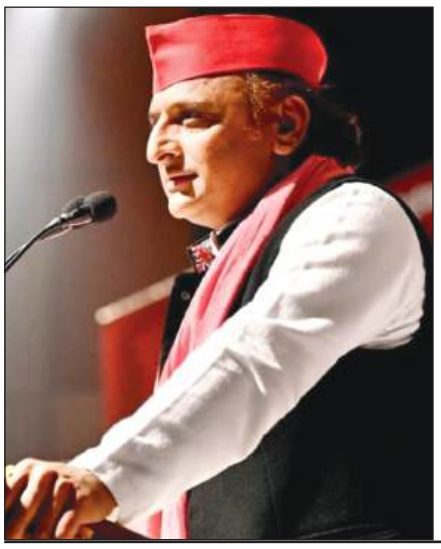

भाजपा अपनी गलतियों को सही साबित करने के लिए किसी का भी सहयोग ले सकती है

सपा प्रमुख ने कहा भाजपा अपनी गलत बात को भी सही साबित करने के लिए किसी का भी सहयोग ले सकते हैं। सभी ने देखा की लोकसभा में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सम्मान में सभी दल एकजुट हो गये। सभी लोग चाहते थे कि बाबा साहब पर की गयी अपमान जनक टिप्पणी पर माफी मांग लें। लेकिन भाजपा के लोगों ने घटना को कैसे बदला, सभी ने देखा। जिन सांसदों को चोटिल बताया जा रहा है उन्होंने बड़े-बड़े एक्टरों को फेल कर दिया है। फर्रूखाबाद वाले सांसद तो वोट से नहीं जीते थे वे सर्टिफिकेट देकर सांसद जिताए गए हैं।

एनसीपी में टूटन शुरू

छगन भुजबल बीजेपी ज्वाइन कर बनेंगे मंत्री!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जो जैसा करेगा वैसा भरेगा, शरद पवार की पीठ में राजनीतिक छुरा घोपने वाले अजीत पावर को बहुत जल्द ही वैसा ही घाव मिल गया। महाराष्ट्र की राजनीति के धुरुवतारा छगन भुजबल की नाराजगी सार्वजनिक प्लेटफार्म में जाहिर होने के बाद अब उनका रास्ता बीजेपी की गली की ओर आता दिखाई दे रहा है।

मंत्री न बनाए जाने के बाद उन्होंने साफ कर दिया था कि उनकी वरिष्ठता की अनदेखी की गयी है और वह बयान के बाद सीएम फडणवीस से मिलने पहुंच गये। सूत्रों की माने तो फडणवीस इसी इंतजार में बैठे थे। उन्होंने भुजबल को बीजेपी ज्वाइन करने का आफर देकर मंत्री बनाए जाने का प्रस्ताव दे दिया।

बीजेपी में जाने के संभावित प्रभाव

छगन भुजबल के बारे में यह चर्चा आम है कि वे बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो इसकी राजनीति पर गहरा असर पड़ेगा। सबसे पहले, भुजबल की बीजेपी में एंट्री से महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया मोड़ आ सकता है। वे राज्य में समाजवादी और अन्य पिछड़े वर्गों के बीच काफी प्रभावी नेता माने जाते हैं, और उनकी बीजेपी में शामिल होने से पार्टी को विशेष रूप से महाराष्ट्र के ओबीसी वोट बैंक में लाभ हो सकता है।

लाइन लग जाएगी

छगन भुजबल का बीजेपी में जाना एनसीपी के लिए 440 वोल्ट के झटके से कम नहीं होगा। भुजबल ने एनसीपी के साथ अपने करियर का अधिकांश समय बिताया है, और उनकी पार्टी से बगावत राज्य में पार्टी की स्थिति को कमजोर कर सकती है। साथ ही, भुजबल जैसे बड़े नेता का बीजेपी में जाना पार्टी की अंदरूनी राजनीति में गहरे बदलाव ला सकता है, जिससे एनसीपी के दूसरे नेता भी विचार करने पर मजबूर हो सकते हैं और बीजेपी का दामन थाम सकते हैं।

फोटो :4 पीएम

अटल युवा महाकुंभ लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अटल युवा महाकुंभ का किया शुभारंभ। राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जूनियर निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता में पुरस्कार जीतने वाले बच्चों को किया सम्मानित।

किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत खराब

» कांग्रेसी सांसद कुमारी शैलजा ने की मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने खनौरी बॉर्डर पर धरने पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात की। उन्होंने किसान नेता की तबीयत को लेकर चिंता जाहिर की। कांग्रेस नेता ने कहा कि जगजीत सिंह डल्लेवाल किसानों की आवाज बने हैं। सरकार को उनकी आवाज को जल्द सुनना चाहिए।

कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, आज हमने किसान नेता से मुलाकात की है और उनकी सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। वह जिस बात को लेकर धरने पर बैठे हैं, उन्होंने अपने धरने के जरिए पूरे किसानों की एक आवाज को उठाया है। मैं कहना चाहती हूं कि सरकार उनकी आवाज को सुने। उन्होंने आगे कहा, इस सरकार ने न तो उन किसानों की सुनी, जो पहले भी धरने पर बैठे रहे और आज भी धरने पर बैठे हैं। सरकार को जगजीत सिंह डल्लेवाल की भी चिंता नहीं है।

उन्होंने अभी तक देश के अन्नदाताओं की पीड़ा को भी नहीं समझा है। सरकार ने पहले तो किसानों को आश्वासन दिया कि वह उनकी एमएसपी समेत अन्य बातों को मानेगी, लेकिन फिर अपनी बात से मुकर गए। इस मुद्दे पर अभी तक उन्होंने एक भी कदम नहीं बढ़ाया है। अब तो संसद की कमेटी ने भी सिफारिश कर दी है, तो उन्हें किस बात का डर है। डल्लेवाल की हालात बिगड़ती जा रही है और सरकार को आगे आकर बात करनी चाहिए, ताकि उनका अनशन खत्म कराया जा सके।

कुमारी शैलजा ने कहा कि हम तो यही कहेंगे भाजपा के नेता भी यहां आएं और फोटो खिचवाएं। कम से कम उन्हें किसानों का सपोर्ट करना चाहिए और सरकार के कान खोलने चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, सभी को धान की बदहाली के बारे में तो मालूम ही है। हरियाणा में यूरिया भी नहीं मिला और अब कीमत भी बढ़ाई जा रही है। इतना ही नहीं वजन भी कम किया जा रहा है। हरियाणा में बीते कुछ समय से यही सब चल रहा है, लेकिन इस मुद्दे पर देश के करोड़ों किसान एक साथ हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, यह शर्म की बात है कि उन्होंने भीमराव आंबेडकर को अपमानित किया और उनको सम्मान नहीं दिया, जबकि सदन में सब बोल रहे थे कि उन्हें सम्मान तो दो, लेकिन उन्होंने बाबा साहेब का नाम माखौल से लिया और उनका अनादर किया। बाबा साहेब पूरे देश के लिए एक आइकॉन हैं और उनके बारे में कुछ भी कहना शर्म की बात है। मैं इतना ही कहूंगी कि अमित शाह को माफी भी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए।

बामुलाहिजा

कार्टून: रसन जैदी

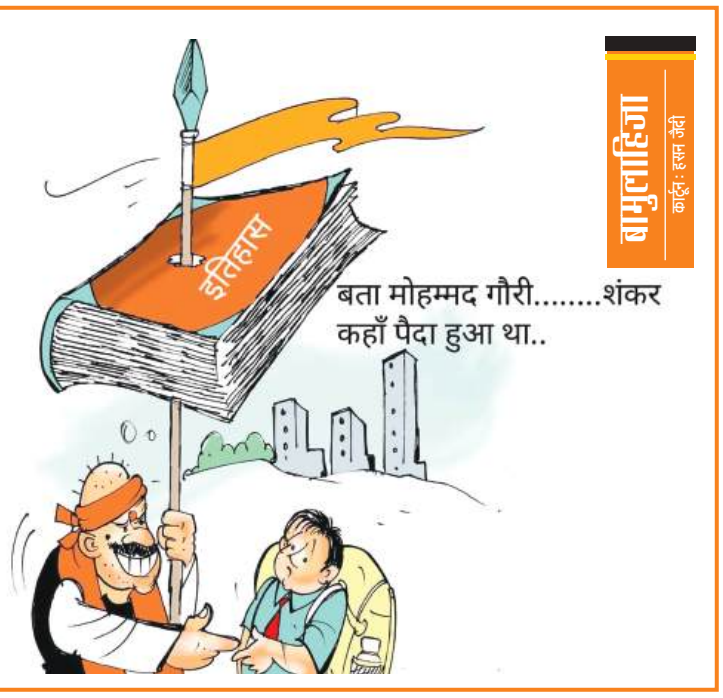

जयाप्रदा की मुश्किलें बढ़ीं गैर जमानती वारंट जारी

» नौ जनवरी को होगी अगली सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा की मुश्किलें फिर बढ़ गई हैं। उनके खिलाफ स्पेशल एमपी-एमएलएल कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। अभद्र टिप्पणी मामले में सोमवार को जयाप्रदा को कोर्ट के समक्ष पेश होना था, मगर वह नहीं पहुंची जिसके बाद कोर्ट ने उनके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। मामले में अब नौ जनवरी को अगली सुनवाई की तारीख तय की गई है।

विशेष लोक अभियोजक मोहन लाल विश्नोई ने बताया कि 2019 के लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद मुरादाबाद के कटघर क्षेत्र में आजम खान के लिए हुए सम्मान समारोह में सपा नेताओं ने जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी की थी। मामले में आजम खान, तत्कालीन सांसद डॉ. एसटी हसन समेत छह सपा नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। जिसकी सुनवाई एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रही है।

बिहार व दिल्ली में अंबेडकर अपमान बनेगा मुद्दा!

यूपी, महाराष्ट्र से लेकर बंगाल तक अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन

- शाह के अपमान पर पूरे देश में नहीं थम रहा घमासान
- कांग्रेस, सपा के बाद आप व टीएमसी भी सड़क पर उतरी
- राहुल गांधी के महाराष्ट्र के परभणी दौरे से गरमाई सियासत
- भाजपा ने नौटंकी बताया कांग्रेस बोली घबरा गई हैं एनडीए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बाबा साहेब डा. भीम राव अंबेडकर पर गृह मंत्री अमित शाह द्वारा ससंद में दिए गए बयान पर विरोधी दलों का हमला जारी है। यूपी, बंगाल, से लेकर महाराष्ट्र तक भाजपा व केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। पूरे देश में कांग्रेस के बाद सपा, आप व टीएमसी का हल्ला बोल जारी है। मंगलवार को बसपा भी देशव्यापी आंदोलन करेगी। पिछले कई दिनों से इस मुद्दे पर विपक्षी पार्टियां भाजपा व पीएम मोदी पर गृहमंत्री का इस्तीफा लेने का दबाव बना रही हैं। देखने में जिस तरह आ रहा है कि अंबेडकर के मुद्दे को विपक्ष किसी भी तरह से छोड़ना नहीं चाहती है। चूकि अगले साल दिल्ली व बिहार में चुनाव है इसलिए कांग्रेस, आप, सपा, राजद व बसपा समेत कई दल चाहते हैं इस मुद्दे को हवा दिया जाता रहे ताकि बीजेपी को घेरा जा सके।

इस बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को महाराष्ट्र के परभणी शहर का दौरे पर है। वह वहां इस महीने की शुरुआत में हुई हिंसा में मारे गए दो लोगों के परिवारों से मिले। इस दौरे को लकर राज्य में सियासत गर्म हो गइ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई ने गांधी के दौरे को नौटंकी करार दिया है। कांग्रेस ने भाजपा पर जोरदार हमला किया। ज्ञात हो कि मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित परभणी शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान की प्रतिकृति को 10 दिसंबर की शाम को क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद हिंसा भड़क उठी थी। सूर्यवंशी की पुलिस हिरासत में मृत्यु हो गई थी और वाकोडे की विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के दौरान मृत्यु हो गई थी। आरोप लगाए गए हैं कि सूर्यवंशी की पुलिस हिरासत में हत्या की गई।

परभणी में मारे गए सोमनाथ को क्या न्याय मिलेगा : राउत

राउत ने सवाल करते हुए कहा कि मुंडे (पंकजा या धनंजय) बीड के संरक्षक मंत्री हो सकते हैं, क्या संतोष देशमुख को न्याय मिलेगा? परभणी का संरक्षक मंत्री कोई भी बने, क्या पुलिस हिरासत में मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी को न्याय मिलेगा? जो भी ठाणे का संरक्षक मंत्री बनेगा, क्या मराठी परिवार को कल्याण में उनके साथ हुए अन्याय के खिलाफ न्याय मिलेगा? इसका कोई उपयोग नहीं है। यह अपने लिए सत्ता बनाए रखने का एक और तरीका है। जो लोग गढ़चिरौली के संरक्षक मंत्री बनते हैं वे नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में काम नहीं करते हैं। करोड़ों की खनन कंपनियों के लिए मंत्री पद की जरूरत होती है, ये मेरा आकलन है।

रचनात्मक तरीकों से समाज को लाभ पहुंचाये कांग्रेस : बावनकुले

प्रदेश भाजपा प्रमुख और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने राहुल गांधी के दौरे को नौटंकी करार दिया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ऐसी नौटंकी करने के बजाय इस बात पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि रचनात्मक तरीकों से समाज को कैसे लाभ पहुंचाया जा सकता है। भाजपा और राज्य सरकार समाज और सभी समुदायों को एकजुट रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

अंबडेर के अपमान करने वालों को कांग्रेस मुहतोड़ जवाब देगी: खुर्शीद

पार्लियामेंट के अंदर जो स्थितियां सामने आई है। गृहमंत्री अमित शाह ने पार्लियामेंट में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी का अपमान किया गया। इन्हीं सब मुद्दों को लेकर आज कांग्रेस ने प्रेस वार्ता की। यह जानकारी कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने दी। उन्होंने कहा कि 26 तारीख को नेताओं की बैठक में तय होगा कि आगे इस मामले में क्या करना है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने इस देश के लिए जो सेवा है दी है जितना भी आभार हम प्रकट करें कम है। संविधान को हम लोगों तक पहुंचाने के लिए उनकी बहुत बड़ी रूपरेखा रही। उनके नाम के साथ कोई खिलवाड़ करेगा तो हम लोगों को जाहिर है कि दुख होगा। अगर हम लोग मुंह तोड़ जवाब नहीं देते तो हम लोगों को इतिहास माफ नहीं करेगा। इतिहास में इस बात को लेकर सवाल खड़े होंगे की दिनदहाड़े संविधान पर हमला हुआ और हम लोगों ने कुछ किया नहीं।

रायबरेली में हिंदू संगठन ने राहुल गांधी के खिलाफपोस्टर और होर्डिंग लगाए

एक हिंदू संगठन ने रायबरेली के कई स्थानों पर स्थानीय सांसद व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विरोध में होर्डिंग और पोस्टर लगाए गए हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री राहुल सिंह ने बताया कि चुरुवा बार्डर से लेकर रायबरेली जिला मुख्यालय तक कई स्थानों पर होर्डिंग व पोस्टर लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि संसद में एक बुजुर्ग सांसद की पिटाई से वह आहत हैं। हालांकि कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी ने बताया कि गांधी पर लगाए गए आरोप झूठे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधीकी लोकप्रियता बढ़ रही है, जिससे भाजपा परेशान हो गयी है। पोस्टर और होर्डिंग लगाए जाने पर तिवारी ने कहा भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने तमाम लोगों को जोड़ा। सिर्फ बौखलाहट में ऐसा किया गया है और जिले की जनता सब कुछ जानती है।

महाराष्ट्र में फडणवीस ने की न्यायिक जांच की घोषणा

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने हाल में राज्य विधानसभा में कहा कि सूर्यवंशी ने मजिस्ट्रेट को बताया था कि उन्हें प्रताड़ित नहीं किया गया और सीसीटीवी फुटेज में भी क्रूरता का कोई सबूत नहीं दिखा। फडणवीस पहले ही परभणी हिंसा की न्यायिक जांच की घोषणा कर चुके हैं। राज्य सरकार ने सोमनाथ के परिवार को 10 लाख रुपए मदद की घोषणा की थी।

गृह मंत्री के आंबेडकर पर दिये वक्तव्य की वजह हुई धक्का-मुक्की : अवमुक्तिेश्वरानंद

शंकराचार्य अवमुक्तिेश्वरानंद ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह के संसद में बीआर आंबेडकर पर दिए बयान की भी आलोचना की। उन्होंने संसद परिसर में धक्का-मुक्की प्रकरण पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा कि धक्का-मुक्की प्रकरण की वजह केंद्रीय गृह मंत्री का आंबेडकर पर दिया वक्तव्य है। उन्होंने कहा कि देश में आंबेडकर की विचारधारा मानने वाले लोग अधिक हैं इसलिए हर कोई अपनी राजनीति के लिए उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा है।

महाराष्ट्र में अंबेडकर स्मारक में तोड़-फोड़ से भड़क उठी थी हिंसा

सोपन दताराव पवार नाम के व्यक्ति ने 10 दिसंबर को परभणी रेलवे स्टेशन के सामने अंबेडकर स्मारक में संविधान की रेप्लिका पर लगा कांच तोड़कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया था। इसके बाद लोगो ने पवार को पकड़कर उसके साथ मारपीट की थी। बाद में पुलिस ने युवक ने गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी मानसिक रोगी है। इस घटना के दूसरे दिन यानी 11 दिसंबर को परभणी बंद का आह्वान किया गया था। इस दौरान लोगों ने आरोपी को जल्द से जल्द फांसी देने की मांग की थी। इस बंदी के दौरान हिंसा भड़क उठी थी। इस दौरान भीड़ ने तोड़फोड़ और आगजनी की थी। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे और लाठीचार्ज किया था। हिंसा मामले में उसी रात पुलिस ने 50 लोगों को गिरफ्तार किया था।

संसद में अंबेडकर जी की प्रतिमा पीछे की गई

पहले पार्लियामेंट में अंबेडकर जी की प्रतिमा सामने थी। अब नई संसद में उनकी प्रतिमा को पीछे कर दिया गया । जैसे हर बात नफरत के तहत की जा रही हो। जब हम लोग प्रदर्शन करने के लिए जा रहे थे तब मकर द्वारा को भाजपा सांसदों द्वारा सील कर दिया गया। खड़गे साहब को उन्हें तीन चार सांसदों ने धक्का दिया और उन लोगों के हाथ में जो तख्तियां थी उसमें डंडे लगे हुए थे सब कैमरे में रिकॉर्ड है। बीजेपी सांसदों की मंशा इस तरह की बात की थी कि अगर अंबेडकर की बात करोगे तो बच के जाने नहीं पाओगे। अमेठी सांसद किशोरी शर्मा ने भी भाजपा को घेरते हुए कहा कि इन लोगों के दिल और दिमाग से तो अंबेडकर जी का नाम निकल चुका है ।

अंबेडकर का नाम लेते समय शाह के चेहरे पर घृणा के भाव थे: प्रमोद

आपके जो दिल में होता है वह जुबान में कभी ना कभी आ जाता है। राज्यसभा में मेरी और अमित शाह जी की दूरी बहुत कम थी। अंबेडकर जी का नाम ऐसे ले रहे थे जैसे कोई सामान्य व्यक्ति हो, उनके चेहरे पर घृणा थी, जैसे कोई किसी को अपमानित करने के लिए नाम लेता है। भाजपा ने चुनाव के वक्त नारा दिया गया था अबकी बार 400 पार, शायद इसलिए उन्होंने यह नारा दिया था कि वह उनके सहयोगी संविधान को बदल सके। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री की तरफ से 6 ट्वीट किए गए अमित शाह के समर्थन में किए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह दोनों को माफी इस देश से मांगनी चाहिए। मोहन भागवत के बयान को लेकर बोले प्रमोद तिवारी बोले। उनको बयान देने की जरूरत नहीं है वह मालिक है। मोदी जी को बुलाकर कह दे की खोज बीन न हो, खोज बीन नहीं होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जलते मणिपुर को पिछड़ने से बचाने को हों गंभीर उपाय!

अभी हाल में इंफाल पूर्व जिले में कुल 21.5 किलोग्राम वजन के पांच आईईडी मिले हैं। अभियान के दौरान 5.5 किलोग्राम के दो आईईडी, चार किलोग्राम का एक आईईडी, 3.5 किलोग्राम के दो आईईडी और 25 मीटर 'कॉर्डटेक्स' तार बरामद किया गया। मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है।

डेढ़ साल बीत जाने के बाद भी मणिपुर के हालात पर काबू नहीं पाया जा रहा है। आए दिन आगजनी की घटनाओं से लेकर हिंसा की खबरें आती रहती है। वहा भाजपा के मुख्यमंत्री बस कार्रवाई करेंगे जैसे जुमले बोल कर शांत हो जाते हैं। हालांकि विपक्ष ने इस मुद्दे को वहां के विधान सभा के साथ-साथ संसद में कई बार उठाने का प्रयास किया पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की कान पर जूं तक नहीं रेंका। कुल मिलाकर अब राज्य को पिछड़ने से बचाने के लिए गंभीरता कोई समाधान निकालना पड़ेगा। अभी हाल में इंफाल पूर्व जिले में कुल 21.5 किलोग्राम वजन के पांच आईईडी मिले हैं। अभियान के दौरान 5.5 किलोग्राम के दो आईईडी, चार किलोग्राम का एक आईईडी, 3.5 किलोग्राम के दो आईईडी और 25 मीटर 'कॉर्डटेक्स' तार बरामद किया गया। मणिपुर में मैतेयियों पर हमला करने के लिए कुकी विद्रोहियों द्वारा रॉकेट और बम ले जाने में सक्षम ड्रोनों का इस्तेमाल किया जाना, सूबे की अशांति में एक नया खतरनाक आयाम दर्शाता है।

इनका इस्तेमाल न केवल मैतेयी बल्कि पूर्वोत्तर के अन्य उग्रवादी संगठनों के अलावा जम्मू-कश्मीर एवं भारत भर में सक्रिय उग्रवादियों, विद्रोहियों, नक्सलियों और अंदरूनी-बाहरी ताकतों को भी नया तरीका सुझाएगा। लेकिन अब अपराधियों के हाथों में, ये घातक हथियार का रूप धर सकते हैं। मणिपुर सरकार, सुरक्षा बल और केंद्रीय सरकार, यह सभी, हिंसा की अप्रत्याशित ताजा लहर से घिरे पाए गए हैं। या तो खुफिया एजेंसियां इस इजाफे का अनुमान लगाने में विफल रहीं या फिर प्रतिक्रिया यथेष्ट नहीं रही, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि, केंद्र सरकार के पास इस खतरे का मुकाबला करने के लिए तमाम संसाधन हैं। सेना, असम राइफल्स और भारतीय वायु सेना को तुरंत एकीकृत अभियान से इस नए खतरे पर लगाम लगानी चाहिए। उम्मीद है कि वे जल्द ही ऐसा करेंगे भी। लेकिन मणिपुर पुलिस को प्रशिक्षित करना और सुसज्जित करना एक चुनौती होगी, क्योंकि यह पूरी तरह से अलग खेल है। राज्य पुलिस की विगत कारगुजारी का लेखा-जोखा खराब रहने के कारण उसे पुनर्गठित करना होगा। आंतरिक और बाहरी, दोनों तरह की खुफिया एजेंसियों को भी अपने काम में काफी चुस्ती लानी होगी। कुकी उग्रवादी हाल के हमलों को अंजाम देने में इसलिए सक्षम हुए हैं क्योंकि उन्हें नशा माफिया से भारी मदद मिलती है, जो पिछले साल से मणिपुर में चल रही उथल-पुथल के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। हालांकि कुछ गैरजिम्मेदराना रवैया राज्य की बीजेपी सरकार का भी रहा है उसने इस मुद्दे पर गंभीरता से का नही किया। उसकी पूरी जिम्मेदारी थी कि वह दोनों समूहों को समझाकर राज्य को शांत करवाता ,पर लगता है सियासत करना नेताओं को करना जरूरी हे।

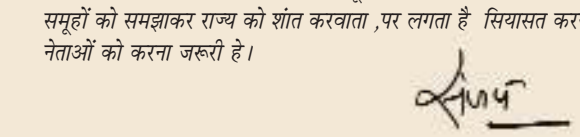

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वैश्विक व्यापार में अपनी जगह तलाशता भारत

सुरेश सेठ

भारत अपनी मुद्रा के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले निरंतर गिरावट को लेकर चिंतित है। इस समस्या से निपटने के लिए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रस्तावित किया गया कि तीसरी दुनिया के देशों और रूस के साथ व्यापार अपनी-अपनी मुद्राओं में किया जाए या डॉलर के बजाय एक वैकल्पिक मुद्रा का उपयोग किया जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि डॉलर के मुकाबले वैकल्पिक मुद्रा की कोशिशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ बढ़ा दिया जाएगा, जिससे व्यापार प्रभावित हो सकता है। फिलहाल, भारत को अपनी आयात-आधारित अर्थव्यवस्था को बदलकर निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था में रूपांतरित करने की आवश्यकता है, और निवेश आकर्षित करने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है, ताकि वैश्विक निवेशक भारत की ओर आकर्षित हो सकें।

अमेरिका वैश्विक व्यापार में बहुत बड़ी हिस्सेदारी रखता है, जबकि भारत की हिस्सेदारी केवल 1 प्रतिशत है। भारत को अधिकांश सामान जैसे कच्चा तेल और फार्मा उद्योग के लिए आवश्यक सामग्री आयात करनी पड़ती है। दरअसल, हम अमेरिका और चीन पर अत्यधिक निर्भर हैं, हालांकि चीन के उत्पादों के निर्यात कम करने की कोशिशों के बावजूद व्यापारिक निर्भरता कम नहीं हुई है। भारत को आत्मनिर्भर बनकर आयात को कम करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में जल्दी कदम उठाने की आवश्यकता है, लेकिन पिछले साल निर्यात वृद्धि बहुत कम रही और आयात की निर्भरता बनी रही। भारत ने आशा व्यक्त की थी कि कोविड महामारी के बाद चीन की कमजोर स्थिति के चलते वह विदेशी निवेश को आकर्षित कर सकेगा। ट्रम्प ने चीन से आयात पर अतिरिक्त शुल्क बढ़ाने की घोषणा की थी, और कनाडा, मैक्सिको से भी आयात पर शुल्क लगाया गया था, जबकि हाल ही में चेतावनी को छोड़ दें तो भारत के विरुद्ध इतने बड़े स्तर पर ऐसा कदम शायद ही उठाया गया हो। चीन के आर्थिक संकट में निवेशक वहां पैसा लगाने से हतोत्साहित हो रहे हैं, जिससे 'चीन प्लस वन' रणनीति को लागू करने की बात की जाती रही है, ताकि भारत एक आकर्षक निवेश स्थल बने। हालांकि, नीति आयोग का कहना है कि इसमें सीमित सफलता मिली है।

इसके मुकाबले, वियतनाम, थाईलैंड, कंबोडिया और मलेशिया को अधिक लाभ हुआ क्योंकि वहां सस्ता

श्रम, सरल कर कानून, कम शुल्क और तेज मुक्त व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत के लिए बेहतर यह हो सकता है कि वह वैश्विक व्यापार में अपने स्थान को मजबूत करे, लेकिन नौकरशाही, लालफीताशाही और भ्रष्टाचार इसके मार्ग में रुकावट डाल रहे हैं। अनुसंधान और नवाचार की कमी, साथ ही एफटीए समझौतों में असफलता, भारत को अन्य देशों की तरह सफलता दिलाने में विफल रही। जबकि अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर सख्त शुल्क लगा दिए, बहुराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प की तलाश कर में रहीं, लेकिन यह अवसर भारत में नहीं आ सका। इसके परिणामस्वरूप, व्यापार में श्रम सघन क्षेत्रों में भारत की हिस्सेदारी घट गई और कृषि उत्पादों में प्रतिस्पर्धा नहीं बढ़ पाई। बासमती चावल का पेटेंट हमारे पास होने के बावजूद, पाकिस्तान ने उसकी नकल कर ली। किसानों को निर्यात प्रोत्साहन नहीं मिल सका क्योंकि सरकार की अनुदान नीति के कारण अनाज की कीमतें बढ़ने नहीं दी गईं। भारत अपने निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र में प्रगति करने में अग्रणी देशों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सका। उच्च लागत, गिरते मुद्रा मूल्य और सस्ते निर्यात के कारण उत्पादकों को घाटा हो रहा है, जिससे स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। नीति आयोग ने चीन प्लस वन रणनीति की सीमित सफलता को स्वीकार किया है। हालांकि, पहले चीन में निवेश से बचकर व्यापार विविधता की आवश्यकता उत्पन्न हुई थी, भारत इस अवसर को अभी तक पूरी तरह से भुना नहीं सका। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक ने भी कहा कि ट्रम्प की घोषणाएं भारत के लिए एक बड़ा अवसर हैं।

अगर अब भारत खुद को सही तरीके से तैयार करता है, तो यहां एक बड़ा आर्थिक उछाल आ सकता है, क्योंकि भारत का वैश्विक व्यापारिक चेहरा बदलने वाला है। अमेरिका, जो भारत का बड़ा व्यापारिक साझेदार है, के साथ संबंध मजबूत हो रहे हैं। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी भारत की 'वोकल फॉर लोकल' नीति की सराहना की है और यहां निवेश बढ़ाने की घोषणा की है। हालांकि, विदेश मंत्री एस. जयशंकर का कहना है कि सिर्फ निवेश बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, रूस को भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार भी खोलने चाहिए। यदि निर्यात बढ़ाने की दिशा में कदम उठाए जाते हैं, तो बदलती स्थिति और भी आकर्षक बन सकती है। पिछली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर में गिरावट आई है।

भागवत के बयान से उपजी राहतकारी उम्मीदें

ज्योति मल्होत्रा

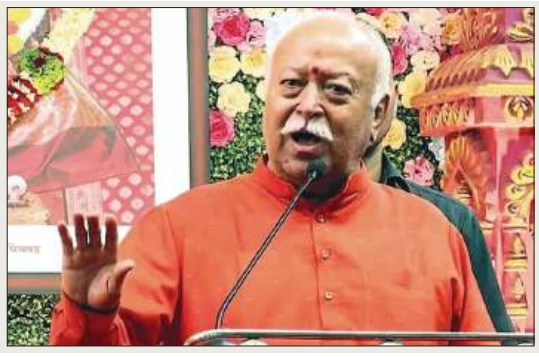

अब जबकि यह साल खत्म होने को है, ऐसा कहना शायद अतिशयोक्ति न होगी कि कई मायनों में 2024 आरएसएस प्रमुख मोहन मधुकर राव भागवत का साल रहा। पुणे में बीते गुरुवार को संघ प्रमुख ने सहजीवन व्याख्यानमाला में 'भारत-विश्वगुरु' विषय वस्तु पर अपने संबोधन के दौरान जो नवीनतम टिप्पणियां की हैं, वे राहत प्रदान करने की दिशा में काफी चौंकाने वाली लगती हैं। उनका यह कहना कि 'मंदिर-मस्जिद विवाद अस्वीकार्य हैं' और यह भी कि 'राम मंदिर के निर्माण के बाद, यदि कुछ लोग सोचने लगे हैं कि नई-नई जगहों पर वे इस तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं, तो यह कुबूल नहीं है', आगे कहा कि 'कौन अल्पसंख्यक है और कौन बहुसंख्यक और खुद ही इस सवाल का जवाब दिया: 'सभी समान हैं'।

कहां तो संविधान द्वारा एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य की गारंटी दिए जाने के 75 साल बाद, भागवत की टिप्पणियों को सामान्य माना जाना चाहिए था। लेकिन इसकी बजाय, इन्हें राहत की बात माना जा रहा है - और सुर्खियों की भी। आरएसएस प्रमुख को अपनी ही सरकार को यह याद दिलाने में समय लग गया कि देश ऐसे लोगों से बना है जिनके विचार, परंपराएं, रीति-रिवाज, धर्म और भाषाएं एकदम अलहदा हैं। और अगर इस 'खिचड़ी' को अपना विशिष्ट स्वाद बनाए रखना है, तो शायद इसे 'एक राष्ट्र-एक लोग' के शिंकजे में जकड़ने के कोई मायने नहीं हैं। अनुमान के मुताबिक , राजनीतिक रूप से वामपंथी सोच वाले उनके पुणे भाषण में कोई न कोई कमी ढूंढ़ने में लग गए -कहीं अनुवाद में कुछ गड़बड़ तो नहीं, क्योंकि भागवत ने अपना संबोधन मराठी में दिया था। वहीं कयास से उलट, राजनीतिक रूप से दक्षिणपंथी भी शायद यह सोच रहे होंगे कि भागवत ऐसे वक्त पर स्तंभ पर बंधे भगवा ध्वज की डोर खींचकर उसे फहराने से परहेज क्यों कर रहे हैं, खासकर तब, जबकि मुसलमानों पर हिंदुत्व की जीत क्षितिज पर मंडरा रही है।

यह स्पष्ट नहीं है कि भागवत को कब बात खटक गई और किस वजह से उन्होंने पुणे में यह टिप्पणी की। आखिरकार, आरएसएस की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए साल भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत के कुछ हफ्तों बाद, और क्रिसमस से कुछ दिन पहले (जिसे मोदी सरकार ने 'सुशासन दिवस' घोषित कर रखा है, जो एक कार्यदिवस भी है) उनका यह कहना कि 'हमें साथ रहना चाहिए' - हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सभी को - यह कथन अनोखा और दिलचस्प दोनों है। कुछ हफ्ते पहले संभल मस्जिद के वास्तु के आधार पर इसके मूल स्वरूप को लेकर समुदायों के बीच हुई झड़प के बाद पुलिस की गोलीबारी में पांच लोगों की बेवजह मौत हो गई थी, लगता है इसके बाद से भागवत को अहसास हुआ है कि खुद को बेहतर हिंदू नेता सिद्ध करने वाली इस प्रतिस्पर्धात्मक राजनीति को जड़ पकड़ने से पहले ही खत्म कर देना सही होगा। शायद उन्होंने देख लिया है कि भारत के 20 करोड़ मुसलमान, जो कि आबादी का 14 प्रतिशत हैं, उन्हें भी बाकी लोगों की तरह शांति और समानता से यहीं बसना है, और देश के एक अन्य विभाजन के बारे में विचार भी सोच के दायरे से परे है।

किसी और की तुलना में शायद उन्होंने करीब मंडरा रहे खतरों को पहचान लिया है। कदाचित उन्होंने अपने चारों ओर देखा और पाया कि कैसे-और क्यों-सीरिया, अफगानिस्तान और फिलिस्तीन जैसे इस्लामी राष्ट्र पिछले कुछ वर्षों में भरभरा कर ढह गए। भारत के मुसलमान कहां जाएं, यदि उनके आत्मसम्मान को कुछ लोग चोट पहुंचाने की कोशिश करें। बुलडोजर चलाने वाली गर्मपंथी सोच पर भी सवाल उठे हैं। आखिरकार, 2018 में भी भागवत ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा था कि 'मुसलमानों के बिना हिंदुत्व अधूरा है'। और पिछले साल, जब इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वेक्षण करने की अनुमति दी ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह कभी मंदिर था और टीवी पत्रकार इस निर्णय के निहितार्थों को लेकर हल्ला मचाने लगे, तो भागवत ने शांति से कहा, 'हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग की तलाश क्यों करना'? निश्चित ही, यह बात कोई नहीं मानेगा कि आरएसएस प्रमुख और पीएम मोदी एक जैसे नहीं हैं या पिछले एक दशक में भाजपा के सत्ता में रहने से आरएसएस को बहुत लाभ नहीं हुआ है। बेशक, हुआ है।

आरएसएस को पता है कि अगर मोदी नहीं होते, तो अयोध्या में राम मंदिर नहीं होता या दुनिया भर के 39 देशों में इसका विस्तार नहीं होता। आरएसएस प्रमुख के विचार इस बारे में स्पष्ट हैं कि सभी धर्मों के सभी भारतीय 'हिंदू' हैं, क्योंकि एक समय में उनके पूर्वज भी हिंदू थे। अक्टूबर माह की शुरुआत में विजयादशमी पर अपने संबोधन में भागवत ने स्पष्ट किया था कि उनके पास 'उदारवादी एवं प्रगतिशील विचार और सांस्कृतिक मार्क्सवाद' के लिए समय नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत से मदद की जरूरत है। 'यहां तक कि भगवान भी कमजोरों की परवाह नहीं करते, बांग्लादेश में जो हुआ, वह हिंदू समाज के लिए एक सबक होना चाहिए। कमजोरी एक अपराध है'। लेकिन भागवत का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कई अन्य ढंग से दिलचस्प है। यह विश्वसनीय रूप से कहा जा सकता है कि संघ के कार्यकर्ता, जो अक्सर चुनावों में पलड़ा झुकाने में भूमिका रखते हुए भाजपा की हार को जीत में बदल देते हैं, उन्होंने 2024 के आम चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के लिए वैसा उत्साहपूर्वक प्रचार नहीं किया, जैसा कि वे इससे पहले करते आए हैं ।

खुशियां बांटने का त्यौहार है क्रिसमस डे

ईसाई धर्म का प्रमुख त्योहार क्रिसमस पूरी दुनिया में धूमधाम से मनाया जाता है। ईसाई ईसा मसीह के जन्म के उपलक्ष्य में क्रिसमस मनाते हैं, जिन्हें वे ईश्वर का पुत्र मानते हैं। क्रिसमस का एक और महत्वपूर्ण पहलू लाल, सुनहरे और हरे रंग का उपयोग है। ये रंग त्योहार के रंगों को दर्शाते हैं। जबकि लाल ईसा मसीह के खून का प्रतीक है, सोना तीन राजाओं के उपहारों में से एक है और हरा रंग अनंत जीवन का रंग है। क्रिसमस के दिन लोग एक दूसरे को गिफ्ट देते हैं और केक काटकर क्रिसमस का आनंद उठाते हैं। इस त्योहार में केक और गिफ्ट के अलावा एक और चीज का विशेष महत्व होता है, वह है क्रिसमस ट्री। हर साल क्रिसमस के पर्व पर लोग घर में क्रिसमस ट्री लगाते हैं। इस बार क्रिसमस बुधवार को मनाया जाएगा।

क्रिसमस ट्री

क्रिसमस ट्री को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार, 16वीं सदी के ईसाई धर्म के सुधारक मार्टिन लूथर ने शुरू की थी। कहा जाता है कि मार्टिन लूथर 24 दिसंबर की शाम को एक बर्फीले जंगल से जा रहे थे, जहां उन्होंने एक सदाबहार के पेड़ को देखा। पेड़ की डालियां चांद की रोशनी से चमक रही थीं। इसके बाद मार्टिन लूथर ने अपने घर पर भी सदाबहार का पेड लगाया और इसे छोटे- छोटे कैंडल से सजाया। इसके बाद बाद उन्होंने जीसस क्राइस्ट के जन्मदिन के सम्मान में भी सदाबहार के पेड़ को सजाया और इस पेड़ को कैंडल की रोशनी से प्रकाशित किया।

क्रिसमस डे का महत्व

ईसाई धर्म में आस्था रखने वाले लोगों के लिए क्रिसमस धार्मिक महत्व का दिन है। इस दिन ये लोग ईसा मसीह को याद करते हैं। उनके बलिदानों को याद करते हैं और सामूहिक सेवा करते हैं। सामूहिक सेवा में, ईसाई याद करते हैं कि यीशु की मृत्यु कैसे हुई और वह बाद में कैसे जीवन में वापस आए। कई लोग इस दिन को आध्यात्मिक जीवन का सत्य मानते हैं। उनका मानना है कि यीशु के जन्म से पहले दुनिया नफरत, लालच और पाखंड से भरी थी, हालांकि यीशु के जन्म से सभी बुरी चीजें खत्म हो गईं और दुनिया में खुशियां छा गईं। ईसाई दुनिया के इस परिवर्तन का जश्न मनाते हैं जो यीशु के जन्म के बाद हुआ था। उनका मानना है कि चूंकि वह संपूर्ण मानवता को सभी पीड़ाओं से बचाने के लिए आए थे, इसलिए सूली पर चढ़ने के दौरान उनके अंतिम बलिदान को याद किया जाना चाहिए।

बच्चे की कुर्बानी

एक बार जर्मनी के सेंट बोनिफेस को पता चला कि कुछ लोग एक विशाल ओक ट्री के नीचे एक बच्चे की कुर्बानी देंगे। इस बात की जानकारी मिलते ही सेंट बोनिफेस ने बच्चे को बचाने के लिए ओक ट्री को काट दिया। उसी ओक ट्री की जड़ के पास एक फर ट्री या सनोबर का पेड़ उग गया। लोग इस पेड़ को चमत्कारिक मानने लगे। सेंट बोनिफेस ने लोगों को बताया कि यह एक पवित्र दैवीय वृक्ष है और इसकी डालियां स्वर्ग की ओर संकेत करती हैं। मान्यता है कि तब से लोग हर साल जीसस के जन्मदिन पर उस पवित्र वृक्ष को सजाने लगे।

क्रिसमस का इतिहास

ऐसा माना जाता है कि ईसा मसीह का जन्म 6 से 4 ईसा पूर्व के बीच हुआ था। क्रिसमस एक वार्षिक आयोजन है जो अत्यधिक धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। क्रिसमस नाम मास ऑफ क्राइस्ट शब्द से लिया गया है। रिकॉर्ड के अनुसार, क्रिसमस मनाने की पहली दर्ज तारीख 336 में थी, यह रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन के समय के दौरान था, जो पहले ईसाई रोमन सम्राट थे। क्रिसमस के उत्सव के बारे में सबसे आम कहानी वह थी जब यीशु की मां मैरी को बताया गया था कि वह प्रभु से एक विशेष बच्चे को जन्म देगी। कहा जाता है कि मदर मैरी को ये भविष्यवाणी 25 मार्च को मिली थी और नौ महीने बाद 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्म हुआ था। ग्रेगोरियन कैलेंडर, जिसके आधार पर आज क्रिसमस मनाया जाता है, उस समय अस्तित्व में नहीं था इसलिए इसका कोई प्रमाण नहीं है कि उनका जन्म 25 दिसंबर को हुआ था।

बच्चों को खिलाएं केक

यह दिन बच्चों को बेहद पसंद होता है। इसी के चलते क्रिसमस डे के दिन बच्चों की मनपसंद चीजें बनाई जाती हैं। आजकल के बच्चों को केक सबसे ज्यादा पसंद होता है। बच्चों के लिए घर में केक बनाकर खिलाएं। और बच्चों को इस दिन सेंटा क्लाथ गिफ्ट भी देते हैं। जिससे बच्चे खुश हो जाते हैं।

हंसना मना है

पत्नी: शादी के दस साल हो गए और एक आप है, जो आज तक कही घूमने तक नहीं ले गए.. पति: ठीक है आज घूमने चलेंगे.. शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली: छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति: अरे पगली लोग मरते है यहां आने के लिए।

बेटा: पापा आप शराब मत पिया करो.. पापा: पिने दे बेटा, साथ क्या लेकर जाना है? बेटा: आप इसी तरह पीते रहे तो छोड़कर भी क्या जाओगे?

जितना गौर से लोग टकराने के बाद एक दूसरे को देखते है, उतनी गौर से अगर ये पहले ही देख लें, तो टक्कर ही नहीं होती।

मछली जल की रानी है: इसका नया वर्जन.. पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो चिढ़ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

1 युग था जब लोग अपने घर के दरवाजे पे लिखते थे- अतिथि देवो भव:, फिर लिखा - शुभ लाभ, फिर लिखा- यू आर वेलकम, और अब- कुत्तों से सावधान !

अगर बीवी अपनी साड़ी का पल्लू अपनी कमर में टूस लें तो समझ जाओ की, या तो वो घर का काम निपटाएगी, या फिर आपको!

कहानी | मूर्ख बगुला और नेवला

कई सालों पहले की बात है, एक जंगल में एक बरगद का पेड़ था। उस बरगद के पेड़ पर एक बगुला रहा करता था। उसी पेड़ के नीचे एक बिल में एक सांप भी रहता था। वह सांप बड़ा ही दुष्ट था। अपनी भूख मिटाने के लिए वह बगुले के छोटे-छोटे बच्चों को खा जाया करता था। इस बात से बेचारा बगुला बहुत परेशान था। एक दिन की बात है, सांप की हरकतों से परेशान होकर बगुला नदी के किनारे जाकर बैठ गया। बैठे-बैठे अचानक उसकी आंखों में आंसू आ गए। बगुले को रोता देख नदी में से एक केकड़ा बाहर आया और बोला, अरे बगुला भैया, क्या बात है? यहां बैठे-बैठे आंसू क्यों बहा रहे हो? क्या परेशानी है? केकड़े की बात सुनकर बगुला बोला, क्या बताऊं केकड़े भाई, मैं तो उस सांप से परेशान हो गया हूं। वह बार-बार मेरे बच्चों को खा जाता है। घोंसला चाहे जितना भी ऊपर बनाऊं, वह ऊपर चढ़ ही जाता है। अब तो उसके कारण दाना पानी लेने के लिए घर से कहीं जाना भी मुश्किल हो गया है। तुम ही कोई उपाय बताओ। बगुले की बात सुनकर केकड़े ने सोचा कि बगुला भी तो अपना पेट भरने के लिए उसके परिवार वालों और दोस्तों को खा जाता है। क्यों न ऐसा कोई उपाय किया जाए कि सांप के साथ साथ बगुले का भी खेल खत्म हो जाए। तभी उसे एक उपाय सूझा। उसने बगुले से कहा, एक काम करो बगुला भैया। तुम्हारे पेड़ से कुछ ही दूर नेवले का बिल है। तुम सांप के बिल से लेकर नेवले के बिल तक मांस के टुकड़े बिछा दो। नेवला जब मांस खाते हुए सांप के बिल तक आएगा तो वह सांप को भी मार देगा। बगुले को यह उपाय सही लगा और उसने ठीक वैसा ही किया जैसा केकड़े ने कहा, लेकिन इसका परिणाम उसे भी भुगतना पड़ा। मांस के टुकड़े खाते-खाते जब नेवला पेड़ के पास आया तो उसने सांप के साथ बगुले को भी अपना शिकार बना लिया।

कहानी से सीख: दोस्तों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि किसी की भी बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करना चाहिए। साथ ही उसके परिणाम और दुष्परिणाम के बारे में भी सोच लेना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ

नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन

धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क

आज जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

सिंह

संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

तुला

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु

कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर

घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा।

कुम्भ

सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मीन

आज संतान को शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। फालतू अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपरिचित पर भरोसा करने से नुकसान होगा।

बिहार-असम में वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन का दिखा क्रेज

सुपाई थ्रिलर सिटाडेल के बाद बॉलीवुड एक्टर वरुण धवण जबरदस्त एक्शन करते दिखाई देंगे। जी हां क्रिसमस के मौके पर एक्टर की बेबी जॉन रिलीज हो रही है। एटली की ओर से निर्मित और कैलीस की ओर से निर्देशित इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में काफी एक्साइटमेंट जगा दी है। वरुण के अलावा मूवी में कीर्ति सुरेश, जैकी श्रॉफ, सान्या मल्होत्रा, वामिका गब्बी और शीबा चड्ढा जैसे स्टार्स हैं। अब मूवी की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है।

एक रिपोर्ट की मानें तो एडवांस बुकिंग में बेबी जॉन काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसने 2119 शोज के लिए अब तक 2 हजार 8 सौ 27 टिकट बेच दिए है। वहीं ब्लॉक सीट के साथ भारत में 24.88 लाख का बिजनेस कर लिया है। वहीं जिस राज्य में एटली की ओर से निर्मित बेबी जॉन के ज्यादातर टिकट बिकें, उसमें असम, बिहार, गोवा, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा शामिल है।

तरण आदर्श ने एक्स पर एक पोस्ट कर बेबी जॉन के एडवांस बुकिंग खुलने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, वरुण धवन: बेबी जॉन की एडवांस बुकिंग खुली है। क्रिसमस पर यह आएगी। इंतजार खत्म हुआ। बेबी जॉन देशभर में करीब 3000 स्क्रीन्स पर रिलीज हो रही है। हालांकि नई फिल्म को अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 से जबरदस्त टक्कर मिलेगी, क्योंकि तमिल मूवी को देखने के लिए अब भी दर्शक आ रहे हैं।

ब्लॉक सीट के साथ भारत में कर लिया है 24.88 लाख का बिजनेस

बेबी जॉन के लिए स्टार्स ने ली कितनी फीस

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वरुण धवन ने बेबी जॉन के लिए 25 करोड़ फीस ली है। सैलरी के तौर पर कीर्ति सुरेश 4 करोड़ मिला है। जैकी श्रॉफ ने विलेन बनने के लिए 2 करोड़ लिए हैं। वहीं सान्या मल्होत्रा ने 1 करोड़, वामिका गब्बी ने 40 लाख, जबकि शीबा चड्ढा कथित तौर पर अपनी सहायक भूमिका के लिए 20 लाख चार्ज कर रही हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे फैंस होने की आड़ में फर्जी कमेंट न करें : अल्लू

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों जमकर सुर्खियों में बने हुए हैं इसकी पहली वजह उनकी हाल ही में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'पुष्पा 2' की ताबड़तोड़ कमाई है, जो रुकने का नाम ही नहीं ले रही है। तो वहीं, दूसरी ओर इसी फिल्म की स्क्रीइंग के दौरान मची भगदड़ में गई एक महिला की जान को लेकर विवाद है। इस मामले पर जहां, कुछ लोग एक्टर के सपोर्ट में हैं तो वहीं, कुछ लोग उनका विरोध कर रहे हैं। अब इस मामले पर एक्टर ने चुप्पी तोड़ी हैं और सोशल मीडिया यूजर्स को एक पोस्ट शेयर कर अल्टीमेटम दिया है। आइए बताते हैं उनका क्या कहना है। अल्लू अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, मैं अपने सभी प्रशंसकों से अपील करता हूं कि वह हमेशा की तरह जिम्मेदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करें तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी प्रकार की अपमानजनक भाषा या व्यवहार का सहारा न लें। एक्टर ने आगे लिखा, फर्जी आईडी और फर्जी प्रोफाइल के साथ मेरे प्रशंसकों के रूप में गलत तरीके से पेश आने वाले अगर कोई अपमानजनक पोस्ट करता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मैं प्रशंसकों से अनुरोध करता हूं कि वह ऐसे पोस्ट से न जुड़ें। अल्लू अर्जुन की इस पोस्ट पर अब यूजर्स की तरह-तरह की प्रतिक्रिया आ रही है। एक फैन ने कहा, 'लव यू सर, हम हमेशा आपके साथ हैं।' दूसरे ने लिखा- उन लोगों पर शर्म आती है, जो इतने भले आदमी को ट्रोल कर रहे हैं। मालूम हो 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में मची भगदड़ में एक महिला की जान चली गई थी। तो वहीं, कुछ लोग घायल हो गए थे, जिसके बाद एक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया तो और 14 दिन के रिमांड पर भेजने का निर्देश दिया गया, लेकिन उसी दिन अर्जेन्ट मीटिंग बुलाकर उन्हें अंतरिम जमानत दे दी गई थी. इसके बाद 1 रात गुजारकर एक्टर अगले दिन रिहा हो गए थे।

अब कुमार विश्वास ने की सोनाक्षी की आलोचना

मुकेश खन्ना के बाद अब कुमार विश्वास ने शत्रुघ्न सिन्हा ने और उनकी बेटी पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा है और उन पर कमेंट कर के विवाद खड़ा कर दिया है। कुमार विश्वास ने बिना नाम लिए लोगों को संदेश देते हुए कहा कि अपने बच्चों को रामायण सिखाएं। कुमार विश्वास का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इस पर लोगों की जमकर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

कुमार विश्वास ने कहा, अपने बच्चों को रामायण सिखाएं। ऐसा हो सकता है कि आपके घर का नाम रामायण हो, लेकिन कोई और आपके घर की लक्ष्मी छीन ले। बता दें कि शत्रुघ्न सिन्हा के घर का नाम रामायण है, और उनकी बेटी सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में जहीर इकबाल से शादी की है , जो एक मुस्लिम परिवार से आते हैं। कुमार विश्वास की टिप्पणी को नेटिजेंस ने सिन्हा परिवार के अंतरधार्मिक विवाह पर एक कटाक्ष के रूप में देखा है।

आज के बच्चों को दी यह सीख

कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने से कहा, अपने बच्चों को सीता जी की बहनें और भगवान राम के भाइयों के नाम याद रखें। एक संकेत दे रहा हूं, जो समझ जाए उनकी तालियां उठें। अपने बच्चों को रामायण पढ़वाई और गीता सुनवाई। अन्यथा ऐसा न हो कि आपके घर का नाम रामायण हो और आपके घर की श्री लक्ष्मी को कोई और उठाकर ले जाए। यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा को रामायण से अपने संबंध को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ा है। दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना ने अमिताभ बच्चन के होस्ट किए जाने वाले लोकप्रिय क्विज शो कौन केबीसी में हिंदू महाकाव्य के बारे में एक सवाल का गलत जवाब देने के लिए उनकी आलोचना की थी।

हजारीबाग में आकर्षण का केंद्र बनी दो चोंच वाली यह पक्षी

हजारीबाग। हमारे आसपास कई पंछी प्रजाति अक्सर दिखते हैं। झारखंड का हजारीबाग जिला भी पंछियों के लिए पूरे देश भर में जाना जाता है। जिले के वन जीव आश्रयणी को इंपॉर्टेंट बर्ड एरिया घोषित किया गया है। यहां सालों भर ढेरों खूबसूरत पंछी दिखाई देते हैं। पंछियों की दुनिया में बेहद रोचक होती है। इनके जीवन जीने की कला और हाव-भाव भी काफी अलग होता है। हजारीबाग में सैकड़ो पंछी पाए जाते हैं। उन्हीं में एक है पक्षी है धनेश। धनेश पंक्षी की बनावट भी बेहद आकर्षक होता है। धनेश एक ऐसा पंछी है, जिसके दो चोंच होते हैं। यह चोंच इसकी खूबसूरती का राज भी है। आमतौर पर ये पंछी जंगलों में निवास करता है। कभी कभार ही जंगलों से निकलकर शहरी इलाकों में आता है, जिस कारण से इसका दिखाना भी काफी शुभ माना जाता है। ज्योतिषों का भी मानना है कि धनेश दिखने पर माता लक्ष्मी भी प्रसन्न होती है।

हजारीबाग के पर्यावरणविद् और पंछियों पर काम करने वाले मुरारी सिंह बताते हैं कि धनेश पक्षियों में एक अनूठा पंछी है। इसके दो चोंच में इसके चोंच में एक चोंच काम का होता है और एक दिखावे का होता है ।नीचे वाले चोंच से वह खाना खाता है। ऊपर का चोंच उसकी सुंदरता को निखारता है। उन्होंने आगे बताया कि आमतौर पर पंछी, जहां रहते हैं। वहां काफी गंदगी भी फैलाते है। अपना पूप पेड़ के नीचे या घोसला ही छोड़ देते हैं। धनेश अपना घोंसला गंदा नहीं करता है। महिला धनेश घोंसला बनाती है और अंडा देती है। पुरुष धनेश उसे घोसले में सूखा हुआ पेड़ का छाल जमा करता है। जब धनेश अंडा देती है और बच्चा बड़ा होता है और वह गंदा करता है, तो पुरुष धनेश गंदगी को घोंसला से सूखा हुआ पेड़ का छाल हटा देता है। कहा जाए तो एक तरह से पुरुष धनेश डायपर का काम करता है। यही कारण है कि इस साफ सफाई पसंद करने वाला पंछी कहा जाता है।

उन्होंने आगे बताया कि यह अपना घोंसला सुरक्षित और ऐसे दूर दराज के इलाके में बनाते है, जहां साफ सफाई रहता है। यह पंछी हजारीबाग की कई इलाकों में पाया जाता है। हजारीबाग में जो पंछी धनेश दिख है वह ग्रे रंग का है । वही एक और प्रजाति है जिसकी चर्चा पुस्तकों में मिलती है वह रंगीन होता है। यह पंछी साफ सफाई बेहद पसंद करता है।

अजब-गजब | इस शहर की बनावट मध्यकालीन दौर से भी पहले की है

इसे कहा जाता है दुनिया का सबसे छोटा शहर

दुनिया के सबसे छोटे देश में वेटिकन सिटी को शुमार किया जाता है। इसकी कुल जनसंख्या 764 लोगों की है, वहीं इसका क्षेत्रफल 44 हेक्टेयर (108.7 एकड़) है। ज्यादातर लोगों को इस देश के बारे में जानकारी है, जो इटली के रोम सिटी के अंदर बसा है। लेकिन अगर आपसे पूछा जाए कि दुनिया का सबसे छोटा शहर कौन सा है, तो क्या आप उसका नाम जानते हैं? हालांकि, आपको जानकर हैरानी होगी कि मात्र 52 लोगों की जनसंख्या वाला पहाड़ पर बसा यह शहर भले ही दुनिया में सबसे छोटा हो, लेकिन इस प्रसिद्धी की वजह कुछ और ही है। इस शहर का नाम ह्यूम है, जो क्रोएशिया में बसा है। इस्त्रिया की पहाड़ियों पर बसा यह छोटा सा शहर सिर्फ 100 मीटर लंबाई और 30 मीटर की चौड़ाई तक फैला है और इसमें दो मनमोहक पत्थरों वाली गलियां और तीन सीढ़ीदार संरचनाएं बनी हैं।

बता दें कि ह्यूम शहर की बसावट मध्यकालीन दौर से भी पहले की है। इसका सबसे पहला उल्लेख चोलम के रूप में 12वीं शताब्दी के अभिलेखों में मिलता है। वहीं, इस शहर को मिरना नदी घाटी के किनारे को बसाते समय बचे हुए पत्थरों से हुआ था। सदियों तक युद्ध के मैदानों के बीच में बसे इस शहर में सुरक्षा से जुड़े कार्यों को किया जाता था। लेकिन बाद में हालात बदले तो वहां पर वॉच टॉवर, घंटी और अन्य चीजें बनती चली गईं। वैसे

इसकी पॉपुलैरिटी की वजह इसका छोटा होना या प्राचीन होना तो है ही, लेकिन शराब की एक खास ब्रांड बिस्का की वजह से ये ज्यादा चर्चित है। रिपोर्ट के अनुसार, यह मिस्टलेटो-युक्त फल ब्रांडी एक प्राचीन सेल्टिक ड्रूड रेसिपी पर आधारित है जो 2,000 साल से भी ज्यादा पुरानी शराब है।

बिस्का को दुनिया का सबसे बेस्ट शनैप्स माना जाता है। शनैप्स मतलब शराब। इतना ही नहीं, यहां हर साल प्रीफेट का चुनाव भी होता है, जो लोगों के आपसी झगड़े को निपटाते हैं। इसमें जीत हासिल करने वालों को सबसे बेस्ट बिस्का शराब पीने को दिया जाता है। 1977 के पहले ये रस्म बंद हो गई थी, लेकिन इसी साल इसे पुनर्जीवित किया गया। यह सदियों पुरानी रस्म जून में 'ह्यूम' के दिन होती है, जब पुरुष टाउन हॉल में एकत्रित होकर प्रीफेक्ट चुनते हैं। वे अपनी पसंद को 'रबोस' नामक लकड़ी की छड़ी पर लिखकर चुनते हैं।

महाराष्ट्र की स्थिति बिहार से ज्यादा खराब : संजय राउत

» बोले- सीएम देवेंद्र फडणवीस को इसका संज्ञान लेना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को महाराष्ट्र के परभणी पहुंचे और हिंसा पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। जिसको लेकर सियासत तेज हो गई है। सांसद संजय राउत के मुताबिक महाराष्ट्र के हालात बिहार से ज्यादा खराब हैं और सीएम को इसका संज्ञान लेना चाहिए। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि विपक्ष को क्या करना है, कहां जाना है, क्या बोलना है, यह पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह या सीएम देवेंद्र फडणवीस तय नहीं कर सकते।

महाराष्ट्र की स्थिति बिहार से भी ज्यादा गंभीर है, जिसे सीएम फडणवीस को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीड और परभणी में हुई घटनाएं राज्य की छवि को कलंकित करती हैं और इन अपराधों में शामिल लोग आपकी सरकार में मंत्री हैं। राहुल गांधी का परभणी दौरा सही था क्योंकि उन्होंने इन मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को इन घटनाओं की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। नरेंद्र मोदी के कुवैत दौरे को लेकर संजय राउत ने कहा कि कुवैत ने नरेंद्र मोदी को मुबारक अल कबीर का खिताब दिया है। अगर ऐसा खिताब सोनिया या राहुल गांधी को मिला होता, तो बीजेपी ने हंगामा खड़ा कर दिया होता। पीएम मोदी अब मुबारक अल कबीर नरेंद्र मोदी या मोहम्मद अल कबीर मोदी कहलाने के लायक हैं। चुनाव आयोग पर टिप्पणी करते हुए संजय राउत ने कहा कि ईसीआई को खुद साबित करना चाहिए कि वो चोर नहीं हैं। हमें यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि आप चोर हैं। यह आपकी जिम्मेदारी है। महाराष्ट्र की जनता बीजेपी के खिलाफ है और उनकी चोरी हर गांव और शहर में उजागर हो चुकी है। जनता की अदालत में बीजेपी का पर्दाफाश हो चुका है।

एकनाथ शिंदे को क्यों नहीं दिया गया गृह विभाग

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत सरकार पर लगातार हमलावर है। इससे पहले वह फडणवीस सरकार में विभागों के बंटवारे पर भी कड़ा प्रहार कर चुके है। उन्होंने कहा था कि यह बीजेपी का दोहरा चरित्र है कि जब शिंदे सीएम बने थे तो यह कहा गया कि गृहमंत्रालय सीएम के पास नहीं रहेगा। अब जब फडणवीस मुख्यमंत्री बने हैं तो फिर गृहमंत्रालय शिंदे को क्यों नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि फडणवीस सरकार के भीतर भयंकर मनमुटाव चल रहा है जो महाराष्ट्र की जनता के हित में नहीं है। इस मनमुटाव से कार्य प्रभावित होगा।

श्रीलंका ने 17 भारतीय मछुआरों को कच्चातिवु के पास किया गिरफ्तार

» समुद्री सीमा विवाद और मछुआरों को लेकर भारत और श्रीलंका के बीच बड़ा तनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तमिलनाडु। तमिलनाडु के 17 मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने समुद्री सीमा पार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनकी दो नाव भी जब्त की है। रामेश्वरम से दो नावों पर सवार लगभग 17 भारतीय मछुआरों को आज सुबह कच्चातिवु के पास श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार कर लिया। 17 भारतीय मछुआरे दानुशकोडी और थलाईमन्नार के बीच क्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे। उसी दौरान श्रीलंकाई नौसेना की गश्ती नौकाओं ने उन्हें घेर कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार मछुआरों को फिर थलाईमन्नार नौसेना शिविर ले जाया गया और पूछताछ के बाद मन्नार मत्स्य पालन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। यह गिरफ्तारी और कार्रवाई उस समय हुई जब मछुआरे अपने दैनिक कार्यों के लिए समुद्र में गए थे। श्रीलंकाई नौसेना के मुताबिक भारतीय मछुआरे उनकी सीमा में घुस आए थे, जिससे इन मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। यह घटना दोनों देशों के बीच समुद्री सीमा विवाद और मछुआरों को लेकर तनाव को बढ़ाती है, क्योंकि भारतीय मछुआरे अक्सर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोपों का सामना करते हैं। इस मामले में श्रीलंकाई अधिकारियों का कहना है कि मछुआरे उनकी समुद्री सीमा का उल्लंघन कर रहे थे, जबकि भारतीय मछुआरे इसे अपनी आजीविका के लिए जरूरी मानते हैं।

फोटो :4 पीएम

तैयारियां लखनऊ में क्रिसमस के मौके पर जश्न शुरू, बेकरी में बिक रहे मेरी क्रिसमस केक लोगों को कर रहे आकर्षित।

बैंक लूट मामला: दो बदमाश ढेर, दो फरार

» पुलिस ने लखनऊ में ओवरसीज बैंक की दीवार तोड़कर चोरी के मामले में की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में ओवरसीज बैंक की दीवार तोड़कर चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया है। इनमें से एक आरोपी सोबिंद कुमार (29), जो 25,000 का इनामी बदमाश था, को सोमवार की देर रात लखनऊ के चिनहट में ढेर किया गया। दूसरा आरोपी सनी दयाल (28) मंगलवार सुबह गाजीपुर जिले के गहमर क्षेत्र में मारा गया। सन्नी बिहार भागने की फिराक में था।

चौकी इंचार्ज गहमर ने बिहार बार्डर पर पहले स्वाट टीम को इस बात की जानकारी दी। वहां पहुंचने पर जब स्वाट टीम ने उन दोनों को रोकने की कोशिश की तो दोनों ने अपना रास्ता बदल कर कुतुबपुर पुराने बंद पड़े खंडहर ढाबे की ओर जाने लगे। इस पर पुलिस ने जब घेराबंदी की तो दोनों अपराधियों ने पुलिस पर फायर किया। जवाबी फायरिंग में एक आरोपी सन्नी मारा घायल हो गया, जबकि एक अन्य आरोपी भाग निकला। घायल आरोपी को पुलिस ने पास के भदौरा सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल गाजीपुर रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बिहार भागने की फिराक में थे आरोपी

पुलिस ने लखनऊ के चिनहट में मारे गए आरोपी सोबिंद कुमार के पास से एक 32 बोर की पिस्टल, कुछ सामान और 35,500 रुपए बरामद किए हैं। दूसरे आरोपी सन्नी दयाल को जो बिहार के मुंगेर का रहने वाला है, को गाजीपुर पुलिस ने उस समय एनकाउंटर में मार गिराया जब वह अपने एक साथी के साथ बिहार की ओर जा रहा था। इस पर स्थानीय पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों ने अपनी मोटरसाइकिल पुलिस के ऊपर चढ़ाने का प्रयास करते हुए बिहार बॉर्डर की ओर भाग निकले।

भारतीय महिला अंडर-19 टीम का एलान

» इस बार खिताब बचाने के लिए मैदान में उतरेगा मौजूदा चैंपियन भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आगामी महिला विश्व कप के लिए भारत की अंडर-19 टीम का ऐलान कर दिया है। 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व निकी प्रसाद करेंगी। भारत मौजूदा अंडर-19 महिला चैंपियन है और इस बार भी खिताब बचाने का प्रयास करेगा।

एशिया कप विजेता टीम की कप्तान निकी प्रसाद की अगुवाई में टीम इंडिया अपने अभियान को आगे बढ़ाएगी। निकी की कप्तानी में हाल ही में भारत ने मलेशिया के कुआलालंपुर में पहला अंडर-19 महिला एशिया कप खिताब जीता।

निकी प्रसाद को फिर मिली कमान

दिलचस्प बात यह है कि अंडर-19 महिला विश्व कप भी मलेशिया में 18 जनवरी से 2 फरवरी, 2025 तक आयोजित होगा। 2023 में, शैफाली वर्मा की कप्तानी में भारत ने दक्षिण अफ्रीका में हुए पहले अंडर-19 महिला विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। एशिया कप की विजेता टीम से वैष्णवी एस को मुख्य टीम में शामिल किया गया है, जबकि नंधना एस को रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है। टीम में सानिका चालके उप-कप्तान होंगी, और कमलिनी व भाविका अहीर को विकेटकीपर के रूप में चुना गया है। टूर्नामेंट में 4 ग्रूप हैं, और हर ग्रूप में 4 टीमें होंगी। भारत को ग्रूप ए में मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ रखा गया है।

भारत 19 जनवरी को वेस्टइंडीज से खेलेगा अपना पहला मैच

भारत के ग्रूप मैच कुआलालंपुर के बायुएमास ओवल स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत अपना पहला मैच 19 जनवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलेगा। ग्रूप स्टेज के बाद हर ग्रूप से 3 टीमें सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करेंगी। सुपर सिक्स में 12 टीमों को दो ग्रूप में बांटा जाएगा। ग्रूप 1 में ग्रूप ए और ग्रूप डी की टॉप 3 टीमें होंगी। जबकि ग्रूप 2 में ग्रूप बी और ग्रूप सी की टॉप 3 टीमें शामिल होंगी। सुपर सिक्स में, टीमें अपने पिछले पॉइंट्स, जीत और नेट रन-रेट के साथ आगे बढ़ेंगी। हर टीम सुपर सिक्स में 2 मैच खेलेगी। सुपर सिक्स के दो ग्रूप की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जो 31 जनवरी, 2025 को होंगे। टूर्नामेंट का फाइनल 2 फरवरी, 2025 को खेला जाएगा।

ब्यूरोक्रेट और राजनेता हैं सौरभ शर्मा की काली कमाई के पार्टनर

52 किलो सोना और 10 करोड़ की नकदी बरामद हुई थी जंगल में खड़ी कार से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी में परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा की काली कमाई के खुलासे ने कई रसूखदारों की मुश्किल बढ़ा दी है। इनमें नौकरशाह से लेकर कई राजनेता तक शामिल है। बीते दिनों लोकायुक्त और आयकर विभाग ने राज्य में कई ठिकानों पर दबिश दी और इसमें एक परिवहन विभाग का पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा भी है। सौरभ शर्मा के आवास पर नगदी के साथ करोड़ों की संपत्ति का लेखा-जोखा मिला। इतना ही नहीं राजधानी के मेडोरा के जंगल स्थित एक फार्म हाउस में लावारिस कार में 52 किलो सोना तथा 10 करोड़ की नगदी मिली। यह कार सौरभ के करीबी चेतन सिंह गौर के नाम पर दर्ज है। चेतन आयकर विभाग की गिरफ्त में है और उससे पूछताछ जारी है।

अब तक की जांच में जो बात सामने आ रही है वे काफी चौंकाने वाली है क्योंकि सौरभ ने बड़े पैमाने पर जमीन के कारोबार में करोड़ों का निवेश कर रखा था। वहीं उसके इस कारोबार में कई राजनेता और नौकरशाह शामिल थे। कई ऐसे दस्तावेज भी जांच एजेंसियों के हाथ लगे हैं जिसमें यह बात साबित हो रही है कि राजधानी के रातीबड, नीलबड, बील खेड़ा, बिशन खेड़ी आदि इलाकों में करोड़ों रुपए जमीन में निवेश किए गए हैं। अभी तक इन नेताओं और अफसर के नाम का खुलासा नहीं हुआ है मगर जब्त किए गए दस्तावेजों में इस बात की पुष्टि हो रही है कि सौरभ शर्मा की राजनेताओं और नौकरशाहों से करीबी रही है।

सूत्रों का दावा है कि आने वाले दिनों में उन नेताओं और नौकरशाहों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं जिनके नाम सौरभ शर्मा के यहां से बरामद दस्तावेजों में मिले हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि किसी जमीन में या अन्य कारोबार में जिस व्यक्ति ने निवेश किया है उसका नाम भी इन दस्तावेजों में दर्ज है। फिलहाल सौरभ शर्मा अपने परिवार के साथ दुबई में है और कोशिश उसे वापस भारत लाने की है। अभी तो दस्तावेजों में नाम मिले हैं और अगर सौरभ शर्मा अपनी जुबान से इन अफसर और नेताओं के नाम लेता है तो कई का भविष्य दांव पर लग सकता है।

सौरभ शर्मा प्रकरण पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का वार

मध्य प्रदेश में बीते कुछ दिनों में आयकर विभाग और लोकायुक्त की कार्रवाईयों में हुए बड़े खुलासे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश भ्रष्टाचार की बाढ़ में डूब गया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश में भ्रष्टाचार की बाढ़ आई हुई है। बड़े-बड़े घोटाले सामने आ रहे हैं। महंगाई और बेरोजगारी ने जनता को दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष की कतार में लगा दिया है, वहीं भाजपा नेताओं और अफसरों के गठजोड़ ने मध्यप्रदेश की नीलामी चालू कर दी है। उन्होने आगे कहा, पुलिस के एक सिपाही के पास से 52 किलो सोना, 10 करोड़ नकद और सैकड़ों करोड़ के लेनदेन की जानकारी मिलना बताता है कि मध्यप्रदेश भाजपा नेताओं और अफसरों ने किस तरह से लूट मचा रखी है। भ्रष्टाचार की हद देखिए कि उज्जैन के महाकाल मंदिर में दर्शन टिकट में भी भ्रष्टाचार हो रहा है। कर्मचारी छह महीने में करोड़ों के प्लॉट और नकदी से खेल रहे हैं। भ्रष्टाचार के इन राक्षसों ने भगवान तक को नहीं छोड़ा है।

कहा मध्यप्रदेश में भाजपा नेताओं और अफसरों ने मचा रखी है लूट

कमलनाथ ने आगे कहा है कि राजधानी भोपाल में निगम अफसरों और ड्राइवर के गठबंधन रोज 1000 लीटर डीजल बेचकर 30 लाख रुपये महीने कमा रहे हैं। मतलब जनता के पैसों से डीजल खरीदेंगे और फिर उसे बेचकर अपनी पॉकेट भर लेंगे। उन्होने आगे कहा, मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री, मंत्री, अफसर से लेकर सिपाही तक की भ्रष्टाचार की यह चेन बेहद खतरनाक है। जनता को झूठे विज्ञापन और फर्जी इवेंट में उलझाकर पूरी सरकार धन बटोरने और घर भरने में लगी है। कहीं कर्मचारियों को महीनों से वेतन नहीं मिल रहा है, कहीं कर्मचारी हजारों करोड़ों में खेल रहे हैं। आखिर मध्यप्रदेश में ये हो क्या रहा है?

लहसुन 40 से 400 पहुंच गया सोती रही सरकार: राहुल गांधी

» दिल्ली की सब्जी मंडी पहुंचे राहुल गांधी ने वीडियो शेयर कर महंगाई पर केंद्र को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महंगाई पर केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने मंगलवार को एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, लहसुन कभी 40 रुपये था, आज 400 रुपये किलो है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ दिया हैसरकार कुंभकरण की नींद सो रही है।

राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक सब्जी मंडी में सब्जीवाले से अलग-अलग सब्जियों के रेट पूछ रहे हैं। राहुल के साथ महिलाएं भी हैं। एक महिला कहती है सोना सस्ता होगा लेकिन लहसुन नहीं।

एक महिला ने कहा कि शलजम जो कभी 30-40 रुपये किलो मिलते थे वो आज 60 रुपये किलो मिल रहे हैं। मटर 120 रुपये किलो मिल रहा है। सब्जी मंडी गिरी नगर की है। राहुल गांधी ने महिलाओं से कहा कि महंगाई हर साल बढ़ती जा रही है। इससे आप पर दबाव बढ़ता होगा। राहुल ने पूछा कि जीएसटी से महंगाई बढ़ी है। इसपर महिलाओं ने कहा कि बहुत बढ़ी है।

दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा का चुनाव होना है। उससे पहले राहुल एक्टिव मोड में है। वह आंबेडकर के मुद्दे पर सरकार को घेर रहे हैं। अब उन्होंने महंगाई पर सरकार को घेरा है।

कल परभणी गए थे राहुल

राहुल गांधी सोमवार को महाराष्ट्र के परभणी पहुंचे थे। मराठवाड़ा क्षेत्र में स्थित परभणी शहर के रेलवे स्टेशन के बाहर 10 दिसंबर की शाम को डॉ। बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के पास संविधान की प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद हिंसा भड़क उठी थी। राहुल ने हिंसा के बाद गिरफ्तार किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत में मारे गए सोमनाथ सूर्यवंशी के परिवार से मुलाकात की थी। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सोमनाथ सूर्यवंशी की हत्या इसलिए की गई, क्योंकि वह दलित थे और संविधान की रक्षा कर रहे थे. उन्होंने आरोप लगाया कि सोमनाथ सूर्यवंशी को पुलिस ने मार डाला और यह हिरासत में मौत का मामला है।

महाकुंभ में नागा साधुओं ने लहराईं तलवारें

ऊंट-बग्घी, थार पर निकाली पेशवाई, भक्तों ने बरसाए छतों से फूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में लगने वाले 2025 के महाकुंभ को लेकर पांच दास नाम आवाहन अखाड़ा के साधु संतों ने नगर प्रवेश किया। लाठी-तलवार लहराते नागा साधु। माथे पर भभूत। गले में रुद्राक्ष। ऊंट, थार और बग्घी पर जाते संत। कुछ इस अंदाज में महाकुंभ के लिए पंचदशनाम आह्वान अखाड़े ने पेशवाई निकाली।

प्रयागराज जनपद यमुनानगर के नैनी मड़ौका आश्रम से साधु-संत संगम के लिए निकले। संत आगे-आगे ढोल-नगाड़े के साथ चल रहे थे, पीछे डीजे। उनकी अगवानी के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे खड़े थे। महिलाओं ने छतों से फूल बरसाकर स्वागत किया। लोगों ने संतों के साथ सेल्फी ली। नैनी से संगम की दूरी 15 किलोमीटर है, जिसे संतों ने 6 घंटे में पूरी की। अब संगम की रेती पर साधु-संत जप-तप करेंगे।

ऊंट पर सवार संत रहे आकर्षण का केंद्र

डीजे पर भक्ति गीतों की धुनों के साथ चल रहे संत सनातन की अलग ही आभा बिखेर रहे थे। पूरे रास्ते लोग सड़कों और घरों की छतों पर खड़े होकर फूलों की वर्षा करके संतों का स्वागत करते नजर आए। हालत यह थी कि मुख्य सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। अखाड़ा की तरफ से निकाली गई छावनी प्रवेश यात्रा किसी उत्सव से कम नहीं थी। हर कोई यात्रा की एक झलक पाने के लिए उत्साहित दिखा ।

पूरब से पश्चिमी यूपी तक पड़ी बारिश की हल्की फुहार, अब ठिठुराएगी ठंड

फोटो: सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम में उतार-चढ़ाव के बीच कई जिलों में मगलवार को बूंदाबांदी देखने को मिली। सोमवार की देर रात से ही पश्चिमी यूपी के विभिन्न इलाकों में गरज के साथ बौछारे पड़ीं और पूर्वी यूपी में घने बादल छा गए।

मंगलवार को सुबह राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, आगरा, बरेली और मेरठ आदि में हल्की बारिश देखने को मिली। मौसम विभाग ने प्रदेश के विभिन्न इलाकों में दिन में बादल छाए रहने और तराई में सुबह शाम कोहरे का अनुमान जताया है। मंगलवार को बादलों की मौजूदगी और बारिश की वजह से दिल के पारे में गिरावट के साथ हवा में गलन भी रही।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।